



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... *The Tribune*.....

दिनांक 18.4.2021 पृष्ठ संख्या 2 कॉलम 7-8

Research to be focus area: New HAU VC

TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, APRIL 17

Prof BR Kamboj, the newly appointed Vice Chancellor of the Haryana Agricultural University (HAU), says his focus will be on better research and extension work for the farming community.

"I urge university scientists to undertake research keeping in view the problems and needs of farmers and the changing global climate. There is need to develop varieties of high-yielding crops and modify crop agronomical package and practices so that farmers can earn more," he told the media here today.

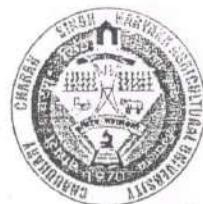
Prof Kamboj also emphasised that his objective would be to strengthen



HAU VC BR Kamboj talks to the media in Hisar on Saturday.

research and extension education so that students and farmers could get the maximum benefit.

He urged the youth to look for self-employment opportunities by acquiring training being imparted in the HAU. "The university is here to help you grow as an entrepreneur," the VC said.



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

पैनक मासिक

दिनांक .18.4.2021...पृष्ठ संख्या.....कॉलम.....

बदलती भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रख अनुसंधान करें: कंबोज एचएयू के नवनियुक्त कुलपति ने विश्वविद्यालय के लिए बताया अपना विजन

भारत न्यूज़ | हिसार



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को प्रगति के पथ पर बढ़ते हुए नई कंचाइयों की ओर ले जाना ही मुख्य लक्ष्य होगा। इसके लिए काम को ही प्राथमिकता दी जाएगी।

उक्त विचार एचएयू के नवनियुक्त वीसी प्रोफेसर बीआर कंबोज ने कार्यभार संभालने के बाद मीडिया से रूबरू होते हुए कहे। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान रखता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य किसान

पत्रकारों से रूबरू होते एचएयू के वीसी प्रोफेसर बी.आर. कंबोज।

समुदाय के लिए और अधिक बेहतर कार्य करने का होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से आहान किया कि वे किसानों की समस्याओं व जरूरतों और बदलती भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर अनुसंधान कार्य करें और

बदलते पर्यावरण के अनुसार ज्यादा पैदावार वाली फसलों की किसमें विकसित करें और फसलों की सस्य क्रियाओं को संशोधित करें ताकि किसानों को अधिक से अधिक फायद मिल सके। उन्होंने कहा कि उनका जल संरक्षण के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किसानों की आमदनी को दोगुना करने के लक्ष्य पर भी जोर रहेगा। उन्होंने कहा कि उनका मकसद शैक्षणिक, अनुसंधान व विस्तार शिक्षा की गतिविधियों को ओर मजबूत बनाना होगा ताकि विद्यार्थियों व किसानों को अधिक से अधिक फायदा हो सके।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... अभि २ देज़ाला.....
दिनांक १५.५.२०२१...पृष्ठ संख्या..... ५..... कॉलम..... ३-४.....

प्राथमिकताएं

पत्रकारों से रुबरु हुए एचएयू के नवनियुक्त कुलपति, कहा- विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों पर ले जाना लक्ष्य

किसान समुदाय के लिए बेहतर कार्य करेंगे : प्रो. कंबोज

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को प्राप्ति के पथ पर बढ़ाते हुए नई ऊंचाइयों की ओर ले जाना ही मुख्य लक्ष्य होगा। इसके लिए काम को ही प्राथमिकता दी जाएगी। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के नवनियुक्त कुलपति प्रो. बीआर कंबोज ने कार्यभार सम्भालने के बाद पत्रकार वार्ता के दौरान कहा।

उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान रखता है। उन्होंने जोर देकर कहा

इन बिंदुओं पर रहेगा जोर

- किसानों की आमदानी को दोगुना करने के लक्ष्य पर जोर रहेगा।
- शैक्षणिक, अनुसंधान व विस्तार शिक्षा की गतिविधियों को मजबूत बनाना।
- किसानों को विश्वविद्यालय में अधिक से अधिक सुविधा मुहैया करवाना।
- विश्वविद्यालय के बाहरी केंद्रों पर शोध गतिविधियों को बढ़ावा देना।
- विद्यार्थियों को निदेशी तर्ज पर शिक्षा मुहैया करवाना।
- जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को किया जाएगा जागरूक।
- वैशिक संस्थानों से डग्गल डिग्री कोर्स के लिए प्रेरित किया जाएगा।



प्रो. बीआर कंबोज

विद्यार्थी से कुलपति तक के सफर में मिला सबका साथ

कुलपति प्रो. कंबोज ने कहा कि एक विद्यार्थी से लेकर विश्वविद्यालय के कुलपति बनने के सफर में किसानों और वैज्ञानिकों का भरपूर सहयोग मिला है। आशा है कि युं ही सबका सहयोग मिलता रहेगा। विश्वविद्यालय के नाम व प्रसिद्धि के लिए सभी को सेवाभाव से मिलकर काम करना होगा, ताकि विश्वविद्यालय को प्राप्ति के शिखर पर ले जाए। उन्होंने अपनी नियुक्त पर प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि उनके हाथ सीधी गई जिम्मेदारी का वे बख़्ती निवहन करेंगे और विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों पर लेकर जाएंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी अधिकारी, निदेशक, अधिकारी एवं विभागाध्यक्ष मीज़द रहे।

कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य किसान वैज्ञानिकों से आत्मान किया कि वे में रखकर अनुसंधान कार्य करें और करें। वैज्ञानिक फसलों की सस्य क्रियाओं समुदाय के लिए और अधिक बेहतर कार्य किसानों की समस्याओं व जरूरतों और बदलते पर्यावरण के अनुसार ज्यादा को भी संशोधित करें, ताकि किसानों को बदलती भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान पैदावार वाली फसलों की किसीमें विकसित अधिक से अधिक फायदा मिल सके।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

ईनी कृष्णपुरा

दिनांक १८.५.२०२१ पृष्ठ संख्या.....३ कॉलम.....३-५.....

विश्वविद्यालय को नई ऊँचाईयों पर ले जाना ही लक्ष्य : प्रो. बी.आर. कंबोज

● पैक से रु-ब-रु हुए एचएयू के नवनियुक्त कुलपति, विश्वविद्यालय के लिए बताया अपना विजय

हिसार, 17 अप्रैल (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर बी.आर.कंबोज ने कार्यभार संभालने के बाद शनिवार को पत्रकारों से बातचीत की। इस मौके पर उन्होंने अपनी नियुक्ति पर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री मनोहर लाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि उनके द्वारा सांपी गई जिम्मेदारी का बेबुबी निर्वहन करेंगे और विश्वविद्यालय को नई ऊँचाईयों पर लेकर जाएंगे।

हक्की कुलपति प्रोफेसर



पत्रकारों से रुबरु होते विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कंबोज व अन्य।

बी.आर.कंबोज ने कहा कि यह विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान रखता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य किसान

जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को किया जाएगा जागरूक

कुलपति ने ग्रामीण व पिछड़े वर्ग के युवक-युवतियों से आह्वान किया कि वे विश्वविद्यालय में दिए जाने वाले विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण हासिल कर स्वरोजगार स्थापित करते हुए आत्मनिर्भर बनें। इसके बाद विश्वविद्यालय में एविक केंद्र से

जुड़कर अपने व्यवसाय को बढ़ाते हुए सफल उद्यमी बनें ताकि उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल सके। विश्वविद्यालय के कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों को विकसित देशों से जोड़कर ड्यूल डिप्री कोर्स के लिए प्रेरित किया जाएगा।

समुदाय के लिए और अधिक बेहतर कार्य करने का होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों की समस्याओं व जलरोगों और बदलती भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर अनुसंधान कार्य करें और बदलते

पर्यावरण के अनुसार ज्यादा पैदावार बाली फसलों की किस्में विकसित करें और फसलों की सस्य क्रियाओं को संशोधित करें। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी अधिकारी, निदेशक, अधिकारी एवं विभागाध्यक्ष मौजूद रहें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... ईरि. मूँगा.....
दिनांक 18. 4. 2021 पृष्ठ संख्या..... 16 कॉलम..... 2. 8

ਛੁਫ਼ਿ ਕੇ ਨਵਨਿਯੁਕਤ
ਕੁਲਪਤਿ ਨੇ ਰਖਾ
ਵਿਜਨ

हिंदू ज्योतिष विद्या

विश्वविद्यालय को प्रगति के पथ पर बढ़ाते किसानों की आमदनी बढ़ाने और विद्यार्थियों की बेहतर शिक्षा पर रहेगा जोर : कंबोज

किसानों की समस्याओं, ज़रूरतों को ध्यान में रखकर अनुसंधान करें

નાના પણ્ણણ હતી દિલ્લીને દિલ્લીમાટી

बदलो पर्याप्तक के अनुसार उत्तम प्रयोग वाले पर्याप्ती की विवरण विकल्पित करें और उनकी की सहायिता के लिए उत्तम तरीके दिखाएं। इसके बाद उत्तम तरीकों को विवरण दिखाएं। उत्तम तरीकों को विवरण दिखाएं। उत्तम तरीकों को विवरण दिखाएं।



हितार। पत्रकारों से बातधीर करते नवमियुक्त कूलपति प्रोफेसर वीआर कंबोज व अन्य।

जैविक स्रोतों के लिए किसानों को करेंगे प्रेरित
कल्याण जैसे कालांनंद वा रिष्ट्रेट दर्द के दूषणों ते आहुका
किया कि देश विश्वविद्यालय में इस जागे वाले विभिन्न परिकल्पना
ठारित कर रखने के लिए उन्होंने दर्द का जुड़ा-जुड़ा अपेक्षित रूप
द्वारा विश्वविद्यालय में एक विशेष दैव द्वारा जुड़ा-जुड़ा अपेक्षित
को बढ़ाव देने के लिए तथा उन्हें अतारावृद्धि दर्द
पर पहलाक निल सकें। उन्हाँनी ते कहा कि विद्यालयों जैसे
विद्यालय देखे ते जेडकर दूसरा दियों कास के लिए प्रेरित



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	17.04.2021	--	--

काम को प्राथमिकता देकर हक्कि को नई ऊंचाइयों की ओर ले जाना ही मुख्य लक्ष्य : प्रो. बीआर कंबोज

मीडिया से रूबरू हुए
हकूमि के नवनियुक्त
कलपति प्रो. कंबोज बोले,
किसानों की आर्थिक व
सामाजिक दशा में हो सधार

शपथ हीरायणा न्यूज़

हिसाब : जीर्णी चरण मिंग हीरायणा कृष्ण प्रधानमन्त्री को प्राप्ति के पक्ष पर बड़े हुए एवं ज़र्ज़ाद़ीयों को और से जाना वा पूरी नज़र लाना होता। इसके तथा काम को भी प्रधानमन्त्री दी जाता। इसके बिच जीर्णी चरण विशेष लोकों का कृष्ण प्रधानमन्त्री हिसाब के वर्तनियुक्त कुल्लुक्का प्रधानमन्त्री एवं कार्यकारी विधायक सभामें के बाद ऐसे कार्डिनल्स में विशेष से स्वरूप होते हुए कहते। उनकी कठोर विशेषज्ञताएँ और गैरिगैरी साथ पर आपेक्षी अत्यन्त गहराया होता है।

और चलनीली भौगोलिक वीरत्याक्षरों को खाल में रखकर अनुसूचित करने के ओर अपनाने पर्यावरण के अन्यान्य ज्यादा पैदावार जानी पारात्मकों को बिहारी विवरण करने और फलतन की मरम्मत किसीसों को जीर्णीपत्र करने ताकि किसीसों को प्रधानके या वीरक फायदा नहीं हो। इससे उनकी विशेषज्ञता विवरण के बाद विशेषज्ञ स्वर पर उत्थान होता।

उनके जाति-समाजों के साथ सम्बन्ध बढ़ावद़ी नहीं दर्शनीय होती। दाम विधायकों को दामाग़ों का लोगों के साथ सम्बन्ध करने के लिये विशेषज्ञ

उदाहरण के दृष्टिकोण से यह कि विभिन्न विषयों के बीच एक सम्बन्ध अस्तित्व में होता है। उदाहरण के दृष्टिकोण से यह कि विभिन्न विषयों के बीच एक सम्बन्ध अस्तित्व में होता है। उदाहरण के दृष्टिकोण से यह कि विभिन्न विषयों के बीच एक सम्बन्ध अस्तित्व में होता है।



कृवि से प्रशिक्षण हासिल
कर बनें आत्मनिर्भर

उत्तरी युरोप में पिछड़े रूप का प्रयुक्ति विविध में अधिक किया कि नियन्त्रण व्यवस्थाएँ में टिप्प जाने गाले रिटिनिंग कार्ड का विकल्प हालांकि इसका व्यवस्थाएँ विविध करने हुए अंतर्राष्ट्रीय बैंकों द्वारा इसके लिए उपलब्ध नहीं हैं। इसके अलावा इन व्यवस्थाओं में गम्भीर कठोर से जुड़ा उद्देश्य यह है कि व्यवस्थाएँ व्यापक रूप से आवाहन दें।

कुलपति ने कहा, जिम्मेदारी का बेखूबी करेगे निर्वहन प्रोफेसर थे, आज कोरोने ने अपनी रियुकॉफ पर मधुमेही मरोना लात वा अधिक व्यय करते हुए कहा है कि उनके द्वारा मरींग औ डिमिर्गी का बेखूबी के निवेदन करें औ निधिवित्तन पर को न करें। उन्होंने पर लेकर जाएँ। उन्होंने कहा कि एक विद्यालय से लेकर विधिवित्तन के कुलपति वर्षने के मास में किसीनां औ डिमिर्गी का भाषण सद्योग मिला है। उन्होंना आशा है कि यह ही सबका सद्योग मिलता होगा। उनकी प्राथमिकता में विद्यार्थों के विधिवित्तन के सद्योग में अधिक से अधिक सुविधा पूर्या करनाना, विधिवित्तन के बहारी कोटों पर सोश गारंटीसियों के बहुत सारे दोष, स्कॉलरशिप को सोच के साथ काम करना व विद्यार्थी को विशेषज्ञ नहीं पर विद्या मुहूर्मा करना विश्वास दें। कृपया प्रोफेसर थे, आज कोरोने ने कहा कि विधिवित्तन के नाम पर पर्फिटेड के लिए वभी को सेवावाल से मिलकर काम करना होगा। इस अवधार पर विधिवित्तन के मध्ये की

किसानों के लिए करोगे ज्यादा से ज्यादा काम
नवीनीकरण तक पहुँचता है। अब कौबोदा ने कहा कि उंचिक खेतों को बचाव देने
में ऐप्पीलियोन नाम से टॉप ट्रॉफी उपायोगी और विक गये तकनीकों के द्वारा लाभ प्राप्त
होता है। इसके अलावा यह एक विश्वास का बोध है कि आगामी काल का काम करना। उन्होंने
के विश्वासिकों के साथ मार्गिकृत कार्य में अनुभवान्वयन कार्य और विश्वासिकों
चलाने उनके द्वारा कोई गंभीर समस्याओं की चर्चा नहीं की। उन्होंने उन्हें बताया कि
ज्यादा ज्ञान हो जाए तो विश्वासिकों की चर्चा नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि
मंडल भवान का नाम बदल दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि ज्यादा काम करने की जरूरत है
के अन्तर्गत एक व्यापक विश्वासिति में और अधिक सुधार हो सके।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उत्तम हिन्दू	17.04.2021	--	--

विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों पर ले जाना ही है लक्ष्य : प्रोफेसर बी.आर. कंबोज

उत्तम हिन्दू न्यूज नेटवर्क
हिसार/प्रवीन कुमार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार को प्रगति के पथ पर बढ़ाते हुए, नई ऊंचाइयों की ओर ले जाना ही मुख्य लक्ष्य होगा। इसके लिए बाह्य काम को ही प्राथमिकता दी जाएगी। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिमार के नवनियुक्त कुलपति प्राप्तस्वरूप और कंबोज ने कार्यभार सभात्मने के बाद प्रेस कॉर्निंस में मौजिडा में रवबल होते हुए कहे। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अनमोलतान सखलता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य किमान समृद्धाय के लिए और अधिक बेहतर कार्य करने का होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से अझान किया कि वे किसानों की समस्याओं व जड़तातों और बदलती घोषणाओं को ध्यान में रखकर अनुसंधान कार्य करें और बदलते पर्यावरण के अनुसार ज्यादा ऐतावार वाली फसलों की किस्में



विकसित करें और फसलों को सम्पूर्ण कियाओं को मशोधित करें ताकि किसानों को अधिक में अधिक फायदा मिल सके किसानों का अधिक व सामाजिक स्तर पर उत्थान होगा। उन्होंने कहा कि उनका उल्लंघण के माध्य-माथ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा अधिक बेहतर कार्य करने का होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से अझान किया कि वे किसानों की समस्याओं व जड़तातों और बदलती घोषणाओं को ध्यान में रखकर अनुसंधान कार्य करें और बदलते पर्यावरण के अनुसार ज्यादा विद्यार्थियों व किसानों को अधिक से अधिक फायदा हो सके।

विद्यार्थी से कुलपति तक के सफर में मिला सबका साथ

उन्होंने कहा कि एक विद्यार्थी से लेकर विश्वविद्यालय के कुलपति वनने के सफर में किसानों और वैज्ञानिकों का भरपुर सहयोग मिला है। उन्हें आशा है कि यू ही सबका सहयोग खिलता रहेगा।

उनकी प्राथमिकता में किसानों को विश्वविद्यालय के सहयोग से अधिक से अधिक सुविधा मुहैया करवाना, विश्वविद्यालय के बाहरी केंद्रों पर शोध गतिविधियों को विकास ने

‘च के साथ ६ / १२ ।

को विदेशी दृष्टिया करवाना शामिल होंगे। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कंबोज ने कहा कि विश्वविद्यालय के नाम द प्रसिद्धि के लिए सभी को सेवाभाव से मिलकर काम करना होगा ताकि विश्वविद्यालय को प्रगति के शिखर पर ले जाए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	17.04.2021	--	--

विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों पर ले जाना ही है लक्ष्य : प्रोफेसर बी.आर. कंबोज

किसानों की आर्थिक व सामाजिक दशा में हो सुधार, साथ ही विद्यार्थियों को मिले अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा

पाठकपक्ष न्यूज़

हिसार, 17 अप्रैल : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार को प्राप्ति के पश्च पर बढ़ते हुए नई ऊंचाइयों की ओर ले जाना हो मुख्य लक्ष्य होगा। इसके लिए काम की ही प्राथमिकता दी जाएगी। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के नवर्णियुक्त कुलपति प्रोफेसर बी.आर.कंबोज ने कायभार संभालने के बाद प्रेस कांफ्रेस में मीडिया से झबर होते हुए कहे। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान रखता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य किसान समुदाय के लिए और अधिक बेहतर कार्य करने का होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से आहवान किया कि वे विश्वविद्यालय में दिए जाने वाले विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण हासिल कर स्वरोजगार स्थापित करते हुए आत्मनिर्भर बनें। इसके बाद विश्वविद्यालय में एविक केंद्र से जुड़कर अपने व्यवसाय को बढ़ाते हुए सफल उद्यमी बनें ताकि उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल सके। विश्वविद्यालय के कुलपति ने

विकसित करें और फसलों की सम्यक्ति किसानों को संशोधित करें ताकि किसानों को अधिक से अधिक फायदा मिल सके जिससे किसानों का आर्थिक व सामाजिक स्तर पर उत्थान होगा। उन्होंने कहा कि उनका जल मंरक्षण के साथ-साथ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा किसानों की आमदानी को दोगुण करने के लक्ष्य पर भी जोर रहेगा। उन्होंने कहा कि उनका मकसद शिक्षणिक, अनुसंधान व विद्यार्थियों की गतिविधियों को और मजबूत बनाना होगा ताकि विद्यार्थियों व किसानों को अधिक से अधिक फायदा हो सके। उन्होंने ग्रामीण व पछड़े वर्ग के युवक-युवतियों से आहवान किया कि वे विश्वविद्यालय में दिए जाने वाले विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण हासिल कर स्वरोजगार स्थापित करते हुए आत्मनिर्भर बनें। इसके बाद विश्वविद्यालय में एविक केंद्र से जुड़कर अपने व्यवसाय को बढ़ाते हुए सफल उद्यमी बनें ताकि उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल सके। विश्वविद्यालय के कुलपति ने



कहा कि विद्यार्थियों को विकसित देशों में जोड़कर इयूल डिप्लो कार्स के लिए प्रेरित किया जाएगा ताकि शिक्षा पूरी होने के बाद उनकी पहचान विश्वस्तरीय हो सके। उन्होंने कहा कि जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय में दीन दीयल उपायाय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र खोला गया है जो रसायन रहित खेती करने में किसानों को जागरूक करने का काम करेगा। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के साथ सामूहिक रूप से अनुसंधान कार्य और विस्तार गतिविधियों के चलते उनके द्वारा की गई सिफारिशों को उन्हें शामिल किया गया है जो किसानों में शामिल किया गया है जो किसानों

के लिए प्रायदर्शन साधित हुए हैं।

इसलिए उनका किसानों को लेकर मकसद साफ़ है कि वे इस समुदाय के लिए ज्यादा से ज्यादा काम करेंगे ताकि देश के अन्रदाता की आर्थिक व सामाजिक स्थिति में आर अधिक सुधार हो सके। उन्होंने अपनी नियुक्ति पर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी का आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि उनके द्वारा साँपी गड़ जिम्मेदारी का वे बबूबी निवहन करेंगे और विश्वविद्यालय को नई ऊंचाईयों पर लेकर जाएंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी एवं विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल	17.04.2021	--	--

विश्वविद्यालय को नई ऊँचाइयों पर ले जाना ही है लक्ष्य: प्रो. कंबोज

पल पल न्यूज़: हिसार, 17 अप्रैल। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार को प्रगति के पथ पर बढ़ाते हुए नई ऊँचाइयों को और ले जाना ही मुख्य लक्ष्य होगा। इसके लिए काम को ही प्राथमिकता दी जाएगी। उक्त विद्यालय चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के नवानियुक्त कुलपति प्रोफेसर बी आर कंबोज ने कार्यभार संभालने के बाद प्रेस काउंफ्रेस में मोड़ीया में फूलबूल होते हुए कहा। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय का डेरेख कहा कि विश्वविद्यालय का डेरेख किसान सम्मद्योग के लिए और अधिक बेहतर कार्य करने का होगा।



पहचान रखता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विश्वविद्यालय का डेरेख किसान सम्मद्योग के लिए और अधिक बेहतर कार्य करने का होगा।

विद्यार्थी से कुलपति तक के सफर में मिला सवका साथ

उन्होंने कहा कि एक विद्यार्थी से लेकर विश्वविद्यालय के कुलपति बनने के सफर में किसानों और वैज्ञानिकों का भरपूर सहयोग मिलता है। उन्होंने कहा कि यू ही सबका सहयोग मिलता होगा। उनकी प्रार्थनिकता में किसानों को विश्वविद्यालय के सहयोग से अधिक सुविधा मुहैया करवाना, विश्वविद्यालय के बाहरी कंट्रों पर शोध गतिविधियों को बढ़ावा देना, सकारात्मक सोच के साथ काम करना व विद्यार्थियों को विदेशी तर्ज पर शिक्षा मुहैया करवाना शामिल होगा। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कंबोज ने कहा कि विश्वविद्यालय के नाम व प्रसिद्धि के लिए सभी को सेवाभाव से मिलकर काम करना होगा ताकि विश्वविद्यालय का प्राप्ति के शिखा पर ले जाए।

द्वारा किसानों की आमदनी को सामाजिक स्तर पर उत्थान होगा। उन्होंने कहा कि उनका जल संरक्षण के माध्यम साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

विस्तार शिक्षा की गतिविधियों को देगुणा करने के लक्ष्य पर भी जोर और मजबूत बनाना होगा ताकि रहेगा। उन्होंने कहा कि उनका विद्यार्थियों व किसानों को अधिक मक्कल शैक्षणिक, अनसन्धान व से अधिक कार्यदार हो सके।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	17.04.2021	--	--

**विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों पर ले
जाना ही है लक्ष्य : प्रो. बी.आर. कंबोज**

प्रेस से रूबरू हुए एचएयू के नवनियुक्त कूलपति, विश्वविद्यालय के लिए बताया अपना विजन

ટેક્નિક ફિલ્મ્સ

चौधरी चरण सिंह हार्याणा कुपि
विश्वविद्यालय हिसार को प्राप्ति के
पथ पर बढ़ते हुए नई कंचाहियों की
ओर ले जाना ही मुख्य लक्ष्य होगा।
इसके लिए काम को ही प्रार्थनिकता
दी जाएगी।

उक्त विचार दौर्धरी भरण सिंह हरयाणा कुपी विश्वविद्यालय हिमाचल के नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर थे और कल्पना ने कानूनीभार समाजनीति के बाबे एस कार्परिक अमेरिका से खबर लेते हुए कहा। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अत्यन्त प्रशंसन रखता है। उन्होंने जांच करता कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य किसने समझा दे तिए। और अंतिम बेहतरीन कार्य करने का होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से अप्राप्त किया कि वे किसमें जो समझदार तो वे जल्दतर और चलते फैलाकिंवाचक परिवर्तनों जो विद्यालय में रोलिकर अपनाएं कार्य करें और उन्होंने कहा कि एक विद्यार्थी से लेकर बढ़ते प्रयोगरप के अनुभाव ज्यादा पैदावार वाली परस्ती तो किसी विकसित करे और परस्ती की सम्भावना किसीओं को संशोधित करा ताकि किसानों को अधिक से अधिक प्रयोग मिल सके जिससे किसानों का आर्थिक व सामाजिक स्तर पर उत्तेजित होगा। उन्होंने कहा कि उनका मकसद शैक्षणिक, अनुसंधान व विचार विश्वविद्यालय की विश्वविद्यालयों को और मञ्जूर बनाना होगा ताकि विद्यार्थीयों ने किसानों के अंतर्गत से अंकित प्रयोग से मिल उन्होंने कहा कि एक विद्यार्थी से लेकर



प्रायकरण ते झटक होते विश्वव्यापार के लकड़ीवृक्ष कुमारी पौधेर थे. अतः कंठेव थे अन्य बदलत पर्यावरण के अनुभाव ज्ञान पैदावार वाली फसलों ने की किम्बे विकासित कर और फसलों की सम्पूर्ण क्रियाओं का संशोधित कर ताकि विकासों ने अधिक से अधिक प्रयोग में उपयोग कर सकें जिससे विकासों ने अधिक व सामाजिक स्तर पर उत्थान होगा। उन्होंने कहा कि उनका मुख्य शैक्षणिक, अनुभावान च विद्यार शिक्षा की गतिविधियों को और महत्व वालों लोगों ताकि विद्यार्थी व विद्यारों ने अधिक से अधिक प्रयोग हो सके। उन्होंने कहा कि एक विद्यार्थी से लेकर विश्वव्यापार के कल्पनात बनने वाले सम्भावनाएँ और वैज्ञानिक व भौतिक सम्बन्ध बढ़ाव देना। उन्होंने आशा की है कि गृहीत सम्भव सामाजिक मिलन-संगोष्ठी विद्यार्थियों में विकासों को विश्वव्यापार के क्षेत्रों में अधिक से अधिक सुविधा मुहूर्त करवाया, विश्वव्यापार के क्षेत्रों केंद्रों पर शोध गतिविधियों व बढ़ाव देना, समाजसामक सेवा साथ काम करना व विद्यार्थीयों विद्यार्थीयों पर एक सुविधा मुहूर्त करवा शामिल होंगे।

जैविक संतरी के लिए किसानों को किया जाएगा जागरूक

जहाँसे यामिणी थे रिंगड़ दर्द के तुकड़-तुकड़ों से आइब रिक्षा थि कि ये दिस्तिवारालय में दिए जाने वाले दिस्तिवार प्रकार के परिक्षण दिस्तिवार कर प्रकारजार दिस्तिवार करने वाले अप्रकृति द्वारा दृष्टि या दिस्तिवारालय में एविड रैम्प से तुकड़ार आवे व्यावाय यो बढ़ाते हुए उत्तर उत्तर खेले उठाए तउ और अप्रकृति द्वारा प्रकार यिन जरूर एविडिवारालय के तुकड़ीने जे कहा कि दिस्तिवारों दो दिक्षिति वैद्यो जो जैविक इन्हूंन डिओ योरी की दिए परिण रिक्षा जानारा तापित इन्हूंन पूरी होने के बाद तापित पायलन दिस्तिवारों द्वा रखते। उन्होंने कहा कि जैविक योरी यो बढ़ाता देवे यो दिए दिस्तिवारालय में की व्यावाय उपायार्थ तैरिकरण योरी अप्रकृति दैड़ दोनों गता हो जो रसायन रिक्षा दोरी करने ने दिस्तिवारों को जागस्वा करने का काम कराया। दिस्तिवारालय

३/६ इन्हीं विश्वायामों के लिए जल्दी समझना चाहिए। यहाँ तक कि ये उस सम्प्रयत्न के लिए उपयोग की जाती हैं, जो उद्देश्य का लकड़ी करने की ताकि वे अपने लकड़ी की अवधिकारी व सामाजिक दिवियों में आगे आवश्यक सुनहरी हो। उल्लेख अपनी विश्वायाम पर प्रभाव मालविका सुन्दरामार्गी भी लकड़ी-जी का आवास व्यवस्था करती है। यह उल्लेख द्वारा सोची गई व्यापक व्यवस्था के लिए लकड़ी की अवधिकारी विश्वायामों को बढ़ाव देती है। इन अवधिकारी विश्वायामों के द्वारा अपनी अवधिकारी विश्वायामों के लिए लकड़ी का उपयोग करना चाहिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एसटीएस २५	17.04.2021	--	--

विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों पर ले जाना ही है लक्ष्यः प्रो. कंबोज

प्रेस से रुबरु हुए एचएयू के नवनियुक्त कुलपति, विश्वविद्यालय के लिए बताया अपना विजन

हिसार | सिरसा टुडे

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार को प्राप्ति के पथ पर बढ़ते हुए नई ऊंचाइयों की ओर ले जाना ही मुख्य लक्ष्य होगा। इसके लिए काम को ही प्राथमिकता दी जाएगी। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर वी.आर.कंबोज ने कार्यभार संभालने के बाद प्रेस कांफ्रेंस में मीडिया से रुबरु होते हुए कहे। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान रखता है। उन्होंने जोर देकर



कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य किसान समुदाय के लिए और अधिक बेहतर कार्य करने का होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों की समस्याओं व ज़रूरतों और बदलती भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर अनुसंधान कार्य करें और बदलते पर्यावरण के अनुसार ज्यादा पैदावार वाली फसलों की किस्में

विकसित करें और फसलों की सत्य क्रियाओं को संशोधित करें ताकि किसानों को अधिक से अधिक फायदा मिल सके जिससे किसानों का आर्थिक व सामाजिक स्तर पर उत्थान होगा। उन्होंने कहा कि उनका जल संरक्षण के साथ-साथ माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किसानों की आमदानी को दोगुणा करने के लक्ष्य पर भी जोर रहेगा। उन्होंने कहा कि उनका मकसद शैक्षणिक, अनुसंधान व विस्तार शिक्षा की गतिविधियों को ओर मजबूत बनाना होगा ताकि विद्यार्थियों व किसानों को अधिक से अधिक फायदा हो सके।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार प्रति का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नम्बर ३१२	17.04.2021	--	--

हकूमि को नई ऊँचाइयों पर ले जाना ही मुख्य लक्ष्य: कम्बोज

हिसार/17 अप्रैल/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को प्रगति के पथ पर बढ़ाते हुए नई ऊँचाइयों की ओर ले जाना ही मुख्य लक्ष्य होगा। इसके लिए काम को ही प्राथमिकता दी जाएगी। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर बीआर कम्बोज ने कायेभार संभालने के बाद आज मीडिया में रूबरू होते हुए कहे। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान रखता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य किसान समुदाय के लिए और अधिक बेहतर कार्य करने का होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों की समस्याओं व जरूरतों और बदलती भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर अनुसंधान कार्य करें और बदलते पर्यावरण के अनुसार ज्यादा पैदावार वाली फसलों की किस्में विकसित करें और फसलों की सम्यक्ति को संशोधित करें ताकि किसानों को अधिक से अधिक फायदा मिल सके। जिससे किसानों का आर्थिक व सामाजिक स्तर पर उथान होगा। उन्होंने कहा कि



उनका जल संरक्षण के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किसानों की आमदनी को दोगुणा करने के लक्ष्य पर भी जोर रहेगा। उन्होंने कहा कि उनका मकसद शैक्षणिक, अनुसंधान व विस्तार शिक्षा की गतिविधियों को ओर मजबूत बनाना होगा ताकि विद्यार्थियों व किसानों को अधिक से अधिक फायदा हो सके। उन्होंने कहा कि एक विद्यार्थी से लेकर विश्वविद्यालय के कुलपति बनने के सफर में किसानों और वैज्ञानिकों का भरपूर सहयोग मिला है। उन्हें आशा है कि यूं ही सबका सहयोग मिलता रहेगा। उनकी प्राथमिकता में किसानों को

विश्वविद्यालय के सहयोग से अधिक से अधिक सुविधा मिलेगी। करवाना, विश्वविद्यालय के बाहरी केंद्रों पर शोध गतिविधियों को बढ़ावा देना, सकारात्मक सोच के साथ काम करना व विद्यार्थियों को विदेशी तर्ज पर शिक्षा मिलाया करवाना शामिल होंगे। कुलपति प्रोफेसर बीआर कम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय के नाम व प्रसिद्धि के लिए सभी को सेवाभाव से मिलकर काम करना होगा ताकि विश्वविद्यालय को प्रगति के शिखर पर ले जाए। उन्होंने ग्रामीण व पिछड़े वर्ग के युवक-युवतियों से आह्वान किया कि वे विश्वविद्यालय में दिए जाने वाले विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण हासिल कर स्वरोजगार स्थापित करते हुए आत्मनिर्भर बनें। इसके बाद विश्वविद्यालय में एविक केंद्र से जुड़कर अपने व्यवसाय को बढ़ाते हुए सफल उद्यमी बनें ताकि उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल सके। विश्वविद्यालय के कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों को विकसित देशों से जोड़कर द्वितीय कोर्स के लिए प्रेरित किया जाएगा ताकि शिक्षा पूरी होने के बाद उनकी पहचान विश्वस्तरीय हो सके।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पुत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सन्य एड्यु	17.04.2021	--	--

विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों पर ले जाना ही है लक्ष्य : प्रोफेसर बीआर कंबोज

मन कहे/संदीप सिहराम

दिल्ला। जौभरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार को प्रगति के पाथ पर बढ़ने हुए नई ऊंचाइयों की ओर ले जाता ही पूछ लेता होगा। इसके लिए काम को ही प्रार्थनिकता दें जाएंगे। यह चान नीपरों चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय दिल्ला के नवीनीकृत कृतियों प्रोफेसर बी.आर.कंबोज ने कानूनी व्यापालन के बारे प्रेस काफेन में मार्गिन से रुक्क लगाए हुए कहे। उन्होंने कहा कि वह वह विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान रखता है। उन्होंने जो देकर कहा कि उन्होंने उन्होंने परामर्शदाता के अनुसार ज्ञान और विश्वविद्यालय का उद्देश्य किसान विकासित करें और फसलों की सम्पूर्दनता के लिए भागीदारी करें करने का लक्ष्य लिया। उन्होंने नार्कि किसानों को अधिक से अधिक फायदा मिल सके जिससे



उन्होंने कहा कि वे किसानों को किसानों का आर्थिक व सामाजिक समस्याओं व ज़रूरतों और बदलती मूलतर पर लक्ष्य होता। उन्होंने कहा भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में कि उनका जल संरक्षण के साथ-साथ अनुसंधान कार्य करें और राष्ट्र यानीनी प्रधानमंत्री नेरेंट मोर्ट्झ रखकर अनुसंधान कार्य करें और राष्ट्र यानीनी प्रधानमंत्री नेरेंट मोर्ट्झ रखकर अपने अवधारण को बढ़ावा दें। यह सफल उद्योग बनने तक उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विद्यान मिल सके। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी अधिकारी एवं निदेशक, अधिकारी एवं विभागध्यक्ष मौजूद रहे।

विद्यार्थीयों व किसानों को अधिक से अधिक फायदा ले रहे।

अधिक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को किसान जागरा जागरूक

कूलपति प्रोफेसर बी.आर.कंबोज ने ग्रामीण व पिछड़े लोगों के युक्त-युक्तियों से आत्मन किया कि वे विश्वविद्यालय में दिए जाने वाले विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण हासिल कर स्वर्णजलार स्वर्णांत करते हुए अत्यावधि बनें। इसके बाद विश्वविद्यालय में इनिक केंद्र से जुड़कर अपने अवधारण को बढ़ावा दें। सफल उद्योग बनने तक उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विद्यान मिल सके। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी अधिकारी एवं निदेशक, अधिकारी एवं विभागध्यक्ष मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
गुडगांव मेल	17.04.2021	--	--

विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों पर ले जाना ही है लक्ष्य : प्रो. बीआर कंबोज



ब्लूरो/गुडगांव मेल
हिसार, 17 अप्रैल।
चौधरी चरण सिंह हरियाणा
कृषि विश्वविद्यालय हिसार
को प्रगति के पथ पर बढ़ते
हुए नई ऊंचाइयों की ओर ले
जाना ही मुख्य लक्ष्य होगा।
इसके लिए काम को ही
प्राथमिकता दी जाएगी।

उक्त विचार चौधरी
चरण सिंह हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय हिसार के
नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर बी.आर.कंबोज ने कार्यभार संभालने के
बाद घैस काफेरस में मोड़िया से रुबरू होते हुए कहे। उन्होंने कहा
कि यह विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान
रखता है।

उन्होंने जो देकर कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य किसान
समूदाय के लिए और अधिक बेहतर कार्य करने का होगा। उन्होंने
विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से आहवान किया कि वे किसानों को
समस्याओं व जड़तरती और बदलती भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान
में रखकर अनुसंधान कार्य करें और बदलते पर्यावरण के अनुसार
न्यायादान पैदावार वाली फसलों को किसमें विकसित करें और फसलों की
समय कियाओं को संशोधित करें ताकि किसानों को अधिक से अधिक
फायदा मिल सके जिससे किसानों का आर्थिक व सामाजिक स्तर पर
उत्थान होगा।

उन्होंने कहा कि उनका जल संरक्षण के साथ-साथ माननीय
प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा किसानों को आमदानी को दोगुणा
करने के लक्ष्य पर भी जोर रहेगा। उन्होंने कहा कि उनका मकासद
शैक्षणिक, अनुसंधान व वित्तार शिक्षा की गतिविधियों को और
मजबूत बनाना होगा ताकि विद्यार्थियों व किसानों को अधिक से
अधिक फायदा हो सके।

विद्यार्थी से कुलपति तक के सफर में मिला सबका साथ
उन्होंने कहा कि एक विद्यार्थी से लेकर विश्वविद्यालय के कुलपति
वन्ने के सफर में किसानों और वैज्ञानिकों का भरपूर महयोग मिला है।
उन्हें आशा है कि यू ही सबका महयोग मिलता रहेगा। उनकी
प्राथमिकता में किसानों को विश्वविद्यालय के सहयोग से अधिक से
अधिक मुविधा मुहैया कराना, विश्वविद्यालय के बाहरी केंद्रों पर
शोध गतिविधियों को बढ़ावा देना, मकारात्मक सोच के साथ काम
करना व विद्यार्थियों को विदेशी तर्ज पर शिक्षा मुहैया कराना शामिल
होंगे। कुलपति प्रोफेसर बी.आर.कंबोज ने कहा कि विश्वविद्यालय के
नाम व प्रसिद्धि के लिए सभी को सेवाभाव से मिलकर काम करना होगा
ताकि विश्वविद्यालय को प्रगति के शिखर पर ले जाए।

जैविक खेतों को बढ़ावा देने के लिए किसानों को किया जाएगा
जागरूक

उन्होंने ग्रामीण व पिछड़े वर्ग के युवक-युवतियों से आहवान
किया कि वे विश्वविद्यालय में दिए जाने वाले विभिन्न एकार के
प्रशिक्षण हार्षिल कर ग्यारोजगार स्थापित करते हुए आत्मनिर्भर बनें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम दिनांक पृष्ठ संख्या कॉलम
प्रजावाच १४.०४.२०२१ १८.०४.२०२१ -- --

विवि को नई ऊंचाइयों पर ले जाना ही लक्ष्य

हिसार, गज पराशर (पंजाब के सरी)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार को प्रगति के पथ पर बढ़ते हुए नई कंचाइयों की ओर ते जाना ही मुख्य लक्ष्य होगा। इसके लिए काम को ही प्राथमिकता दी जाएगी।

यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर बीआर कंबोज ने कार्यभार संभालने के बाद प्रेस कॉर्प्रेस में मीडिया से रुबरू होते हुए कहे। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान रखता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य किसान मधुदाय के लिए और अधिक बेहतर कार्य करने का होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकोंसे आङ्गन किया कि वे किसानोंसे समस्याओं

- किसानों की आर्थिक व सामाजिक दशा में हो सुधार, साथ ही विद्यार्थियों को मिले अंतर्राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा

व जरूरतों और बदलती भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर अनुसंधान कार्य करें और बदलते पर्यावरण के अनुसार ज्यादा पैदावार वाली फसलों की किसीमें विकसित करें और फसलों की सम्यक क्रियाओं को मंशोधित करें ताकि किसानों को अर्थिक में अभिक फायदा मिल सके जिससे किसानों का आर्थिक व सामाजिक स्तर पर उत्थान होगा। उन्होंने कहा कि उनका मकसद

शैक्षणिक, अनुसंधान व विस्तार शिक्षा की गतिविधियों को और मजबूत बनाना होगा ताकि विद्यार्थियों व किसानों को अधिक से अधिक फायदा हो सके।

विद्यार्थी से कुलपति तक के सफर में मिला सबका साथः प्रो. कंबोज ने कहा कि एक विद्यार्थी से लेकर विश्वविद्यालय के कुलपति बनने के सफर में किसानों और वैज्ञानिकों का भरपूर सहयोग मिला है। उन्हें आशा है कि यू ही सबका सहयोग भिलता रहेगा। उनकी प्राथमिकता में किसानों को विश्वविद्यालय के सहयोग में अधिक से अधिक मुकिया मुहैया करवाना, विश्वविद्यालय के बाहरी केंद्रों पर शोध गतिविधियों को बढ़ावा देना, सकारात्मक सोच के साथ काम करना व विद्यार्थियों को विदेशी तर्ज पर शिक्षा महैया करवाना शामिल होंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

सम्मुखार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सू. १२०१ पत्र	17.04.2021	--	--

विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों पर ले जाना ही है लक्ष्य : कंबोज

मिस्टी पाल्य न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार की प्रगति के पश्चात एवं दूसरे नई कृषिकारों को अंग ले जाना ही मुख्य लक्ष्य है। इनके लिए काम की दो प्रमुख पक्षता है जारी। उनमें विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के लिए और कर्मचारियों ने आवंटित संभालने के लिए ऐसे कार्रवाई ये सीढ़ियां में स्थग रखते हुए कहा है। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय और गोपनीय समाज पर अपनी असर पहुंचाने रहता है। उन्होंने जो संदेश दिया कहा कि विश्वविद्यालय जब उद्देश्य किसिस्व सम्पत्ति के लिए और अधिक बढ़ाव कार्य करने का होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के नीतिकालीनों में आवेदन किया कि वे किसीकारी को सम्मानित व उत्तरी



मिस्टी पाल्य न्यूज
विश्वविद्यालय के उद्योगपूर्ण कृतिपति
श्री. डी. अ. कंबोज।



मिस्टी पाल्य न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के नवनियुक्त कृतिपति श्री. डी. अ. कंबोज व वार कम्पोज का सम्मान करते हुए जू. भ्र. भ्राता कपाल एवं समीक्षक डॉ. रमेश कुमार देखते हुए।

हासिल कर स्वरोजगार स्थानों करते हुए आव्याप्ति बढ़ाव विश्वविद्यालय में एक बड़े केंद्र में उद्भव कर अपने व्यवसाय की वित्तीन दृष्टि उद्योग विकास करने के लिए लक्ष्य है। विश्वविद्यालय के कृतिपति ने कहा कि विश्वविद्यालय की वित्तीन दृष्टि से जोकुमा इन्होंने किसी को जो किसी के लिए विश्व पर्याप्त होने के बाद उनको नहीं बचान विश्वविद्यालय ही हो सके। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की वित्तीन दृष्टि के लिए विश्वविद्यालय में शीर्ष दियात उपचार और उत्कृष्ट विद्यालय के लिए शोला याद है। जो समाज दीर्घ से करने में किसीनो को जारी रखने का काम करता। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी अधिकारी, विदेशी, अधिकारी एवं विद्यार्थी गोदावरी में उत्तरी



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एच आर ब्रेकिंग	18.04.2021	--	--

रविवार ● 18.04.2021

www.hrbreakingnews.com

हरियाणा

विश्वविद्यालय को नई ऊँचाइयों पर ले जाना ही है लक्ष्य : प्रोफेसर बी.आर. कंबोज

एचआर ब्रेकिंग न्यूज़

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिस्प को प्रभावी के पथ पर बढ़ाने हुए नई ऊँचाइयों को भार ले जाना ही मुख्य लक्ष्य है। इसके लिए काम को तीन प्रार्थीमाला दी जाएगी। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिस्प के नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कंबोज ने कोर्पोरेट संघरणने के बाद मोड़द्या ने खबर होते हुए कहे।

उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान रखता है। उन्होंने जार देकर कहा कि विश्वविद्यालय का डॉकेंस्य विस्थान समूहदाय के लिए और अधिक व्यक्ति क्षमता कार्य करने का होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से आश्वान किया कि वे किसानों को समर्थयाओं व जलतों और बदलतों भौगोलिक परिस्थितियों को स्थान भै रखकर अनुसंधान कार्य करें और बदलते घटनाकारण के अनुसार ज्ञान ऐवजाव जलती फसलों की किसी विकलित करें और फसलों की सम्यक कियाजी को संशोधित करें ताकि किसानों को अधिक से अधिक फायदा मिल सके। जिससे किसानों



प्रकारों से रुबरु होते विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कंबोज व अन्य का आर्थिक व सामाजिक स्तर पर डाक्यान होगा। उन्होंने कहा कि उनका जल संरक्षण व साथ-साथ गान्धीग्रन्थालयी नरेंद्र मोदी द्वारा किसानों को आमदनी को दागुणा करने का लक्ष्य पर भी जोर रखेगा।

उन्होंने कहा कि उनका मकान दैर्घ्यिक, अनुसंधान व विनाशक जिज्ञा की गतिविधियों को और मजबूत बनाना होगा ताकि

प्रार्थिता में किसानों को विश्वविद्यालय के सहयोग से अधिक सुविधा मुहैया करवाना, विश्वविद्यालय के बाहरी केंद्रों पर शोध गतिविधियों को बढ़ावा दना, सकात्यक सोच के साथ काम करना व विद्यार्थियों को विदेशी तज़र विद्यार्थी मुहैया करवाना शामिल होगे। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कंबोज ने कहा कि विश्वविद्यालय के नाम व प्रासिद्धि के लिए सभी को सेवाशाय से मिलकर काम करना होगा ताकि विश्वविद्यालय को प्राप्ति के लिखर पर से जाए।

जीविक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को किया जाएगा जागरूक : उन्होंने ग्रामीण व प्रिकड़े वर्ग के युवक-युवतियों से आत्मन किया कि वे विश्वविद्यालय में दिए जाने वाले विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण हासिल कर स्वराज्याम स्थापित करते हुए आत्मविभार बनें। इसके बाद विश्वविद्यालय में एविक केंद्र से जुड़कर अपने व्यवसाय को बढ़ाते हुए सफल उद्यम बनें ताकि उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल सके। विश्वविद्यालय के कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों को विकासित देशों से जोड़कर उन्हें डिशी कासं



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरियाणा वाटिका न्यूज	18.04.2021	--	--

विश्वविद्यालय को प्रगति के पथ पर ले जाना लक्ष्य : प्रोफेसर बी.आर. कंबोज

वाटिका@हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार को प्रगति के पथ पर बढ़ते हुए नई ऊंचाइयों की ओर ले जाना ही मुख्य लक्ष्य होगा। इसके लिए काम को ही प्राथमिकता दी जाएगी। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर बी.आर.कंबोज ने कार्यभार संभालने के बाट प्रेस काफिंस में मीडिया से रुचरू होते हुए कहे। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान रखता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य किसान समुदाय के लिए और अधिक बेहतर कार्य करने का होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से आद्वान किया कि वे किसानों की समस्याओं व जरूरतों और बदलती भौगोलिक परिस्थितयों को ध्यान में



रखकर अनुसंधान कार्य करें और बदलते पर्यावरण के अनुसार ज्यादा पैदावार वाली फसलों की किसमें विकसित करें और फसलों की सम्बन्धित कार्यों को संशोधित करें ताकि किसानों को अधिक से अधिक फायदा मिल सके जिससे किसानों का आर्थिक व सामाजिक स्तर पर उत्थान होगा। उन्होंने कहा कि उनका जल संरक्षण

के साथ-साथ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा किसानों की आमदानी को दोगुणा करने के लक्ष्य पर भी जोर रहेगा। उन्होंने कहा कि उनका मकसद शैक्षणिक, अनुसंधान व विस्तार शिक्षा की गतिविधियों को ओर मजबूत बनाना होगा ताकि विद्यार्थियों व किसानों को अधिक से अधिक फायदा हो सके।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....
दिनांक .18.5.2011....पृष्ठ संख्या.....३.....कॉलम.....३६९.....

ईन्हें सूचित किया गया है।

किसानों की बल्ले बल्ले : फॉर्मर कोल करेगा किसानों की आय दोगुणा

हिसार के यवा वैज्ञानिकों ने पराली व गाय के गोबर से तैयार किया कोयला

हिसार, 17 अप्रैल (सुरेन्द्र सोढ़ी) : पर्यावरण प्रदूषण को लेकर पराली जलाने में किसानों व सरकार के बीच जारी खींचतान अब जल्द ही सुलझ सकती है। हिसार के ये यवा वैज्ञानिकों ने फॉर्मर कोल के रूप में इस समस्या का समाधान निकाला है। गोबर व पराली के मिश्रण से तैयार यह कोयला न केवल पारपरिक कोयले से सस्ता मिलेगा, साथ ही पराली की तुलना में पर्यावरण को प्रदूषित भी नहीं करेगा। इसके साथ साथ किसानों की आमदानी को भी बढ़ाएगा।



वैज्ञानी विजय श्योराण व मनोज नहरा व अन्य तथा पराली व गाय के गोबर से तैयार किया कोयला।

सरकार व किसानों के बीच खींचतान रहती थी। किसानों को अगली फसल के लिए जमीन तैयार करने के लिए पराली जलाना फाकदेयद लगता था, वहीं सरकार पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण को लेकर चिंतित थी। इसी समस्या



सहायक कृषि अधिकारी गोपीराम

सांगवान व एपीओ योगेश जाखड़ व लाडवा गौशाला से प्रधान आनंदराज के साथ एचएन के वैज्ञानिकों ने भी पूरा मार्गदर्शन किया। उन्होंने विश्वस जताया कि उनका यह प्रोजेक्ट क्रांतिकारी

यवा वैज्ञानिकों ने बताई फार्मर कोल की लृषियां

वैज्ञानिक में विजय श्योराण व मनोज नहरा ने पूरे विस्तार से फॉर्मर कोल की खूबियों के बारे में बताया तिक यह कोयला किसानों की आय को दोगुणा करने और धान की पराली व गाय के गोबर की भी कीमत बढ़ाएगा। वह कोयला की राख भी इसेमाल लाई जा सकती।

व प्रदूषण रहत इंधन के रूप में इसेमाल किया जा सकता, जिसका उच्च उपयोग है। इस कोयले को आसानी से बंदरगाह रूप से रखा जा सकता है। यहाँ तक की इस कोयले की राख भी इसेमाल लाई जा सकती।

गुगल मीट में किया प्रेजेंटेशन

इसी फॉर्मर कोल को सेक्रेटर शनिवार को गुगल मीट के माध्यम से एक वैज्ञानिक आयोजित किया गया। इस वैज्ञानिक में लाडवा व सातरोड के किसानों के अलावा हिसार, गुरुग्राम, इन्हार व करनाल से कृषि अधिकारी, एचएन से सहित होगा और पर्यावरण संरक्षण में अपनी अहम भूमिका निभाएगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... रजभट इन्डिला.....

दिनांक 18. 4. 2021..... पृष्ठ संख्या..... 2 कॉलम..... 4-6

अधिकार

प्रदूषण रोकने के साथ-साथ बढ़ेगी किसानों की आय

हिसार के दो युवा वैज्ञानिकों ने पराली व गाय के गोबर से कोयला (फार्मर रोल) तैयार किया है। इन युवा वैज्ञानिकों की मानें तो गोबर व पराली के मिश्रण से तैयार यह कोयला न केवल पारंपरिक कोयले से सस्ता मिलेगा, बल्कि पराली की तुलना में पर्यावरण को प्रदूषित भी नहीं करेगा।

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। शहर के दो युवा वैज्ञानिकों ने पराली व गाय के गोबर से कोयला (फार्मर रोल) तैयार किया है। इन युवा वैज्ञानिकों की मानें तो गोबर व पराली के मिश्रण से तैयार यह कोयला न केवल पारंपरिक कोयले से सस्ता मिलेगा, बल्कि पराली की तुलना में पर्यावरण को प्रदूषित भी नहीं करेगा।

कोयले को तैयार करने वाले विजय श्योराण व मनोज नेहरा ने बताया कि पराली प्रबंधन की दिशा में उन्होंने शोध कार्य किया। उनके इस शोध में सुधार गोयल का पूरा सहयोग रहा। वे शनिवार को गूगल मीट के माध्यम से आयोजित एक वेबिनार को संबोधित कर रहे थे। वेबिनार में हिसार, गुरुग्राम, झज्जर व करनाल से कृषि अधिकारी, एचएयू से डॉ. डीके शर्मा, डॉ. बलजीत सहरण, इंजी वेदपाल दहिया, जीजेयू से डॉ. अनीता किरोलिया आदि कई अधिकारी जुड़े। इस दौरान विजय व मनोज ने इस कोयले की खूबियां बताईं और कहा कि यह कोयला किसानों की आय को दोगुना करने और धान की पराली व गाय के गोबर की भी कीमत बढ़ाएगा।

एचएयू के वैज्ञानिकों ने किया मार्गदर्शन: विजय और मनोज ने बताया कि कृषि विभाग से सहायक कृषि अभियंता गोपीराम सांगवान व एपीओ योगेश जाखड़ व लाडवा गोशाला से प्रधान आनंदराज के साथ-साथ



युवा विज्ञानियों द्वारा बनाए गए फार्मर रोल।

एचएयू के वैज्ञानिकों ने भी पूरा मार्गदर्शन किया। उन्होंने विश्वास जताया कि उनका यह प्रोजेक्ट क्रांतिकारी साबित होगा और पर्यावरण संरक्षण में अपनी अहम भूमिका निभाएगा। विजय व मनोज ने इस कोयले की खूबियां बताईं और कहा कि यह कोयला किसानों की आय को दोगुना करने और धान की पराली व गाय के गोबर की भी कीमत बढ़ाएगा। जिससे कि किसानों की आमदानी बढ़ सके।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पैनी क मस्तक

दिनांक १५.५.२०२१....पृष्ठ संख्या.....२.....कॉलम.....।.....

हिसार के युवाओं ने पराली व गोबर से तैयार किया कोयला

पराली जलाने की नहीं पड़ेगी आवश्यकता, पर्यावरण प्रदूषण होने से भी बचाया जा सकेगा, किसानों की आय होगी ढोगुनी

भास्कर न्यूज़ | हिसार

हिसार के दो युवा विज्ञानियों ने करीब दो साल की रिसर्च के बाद पराली और गाय के गोबर से फॉर्मर कोयला तैयार किया है। गोबर व पराली के मिश्रण से तैयार यह कोयला न केवल पारंपरिक कोयले से सस्ता मिलेगा, साथ ही पराली की तुलना में पर्यावरण को प्रदूषित भी नहीं करेगा। इसके साथ साथ किसानों की आमदानी को भी बढ़ाएगा।

इस कोयले को तैयार करने वाले विज्ञानी विजय श्वेराण व मनोज नेहरा बताते हैं कि धान की फसल के बाद पराली को लेकर अभी तक सरकार व किसानों के बीच खींचतान रहती थी। किसानों को अगली फसल के लिए पराली जमीन तैयार करने के लिए

जलाना फायदेमंद लगता था, वहीं सरकार पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण को लेकर चिंतित थी। इसी समस्या को देखते हुए उन्होंने पराली प्रबंधन की दिशा में यह कदम उठाते हुए शोध कार्य किया और फॉर्मर कोल के रूप में एक अलग तरीके का कोयला तैयार किया है। उनके इस शोध में सुधार गोयल का पूरा सहयोग रहा। वहीं कृषि विभाग से सहायक कृषि अधिकारी गोपीराम सांगवान व एपीओ योगेश जाखड़ व लाडवा गौशाला से प्रधान आनंदराज के साथ साथ एचएयू के वैज्ञानिकों ने भी पूरा मार्गदर्शन किया। उन्होंने विश्वास जताया कि उनका यह प्रोजेक्ट क्रांतिकारी साधित होगा और पर्यावरण संरक्षण में अपनी अहम भूमिका निभाएगा।

कोयले के जलाने के बाद राख खाद का करेंगी काम



मनोज नेहरा ने बताया कि तैयार किए गए कोयले से कार्बन डाइऑक्साइड गैस निकलेगी। प्रदूषण स्तर भी ज्यादा नहीं होगा। बताया कि वह एक घंटे में करीब 100 किलोग्राम कोयला तैयार कर सकते हैं। खासियत यह होगी कोयले के जलाने के बाद होने वाली राख को भी खाद्य के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा। क्योंकि पराली में पोटेशियम काफी अधिक होता है।

गूगल मीट में किया प्रजेंटेशन

इसी फॉर्मर कोल को लेकर शनिवार को गूगल मीट के माध्यम से एक वेबीनार आयोजित किया गया। इस वेबीनार में लाडवा व सातरोड़ के किसानों के अलावा हिसार, गुरुग्राम, झज्जर व करनाल से कृषि अधिकारी, एचएयू से डॉ डीके शर्मा, डॉ बलजीत सहारण, इंजी वेदपाल दहिया, जीजेयू से डॉ अनीता किरोलिया, इन्वायरमेंट इंजीनियर डॉ सुंदर सिंह व पंजाब विश्वविद्यालय और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से कई प्रोफेसर व अधिकारी जुड़े। इस वेबीनार में विजय श्वेराण व मनोज नहरा ने पूरे विस्तार से फॉर्मर कोल की खूबियों को खाली पार किया। उन्होंने कहा कि यह कोयला किसानों की आय को दोगुना करने और धान की पराली व गाय के गोबर की भी कीमत बढ़ाएगा। यह कोयला पूर्ण रूप से पर्यावरण हितेशी व प्रदूषण रहित ईंधन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा, जिसकी उच्च उष्णता है। इस कोयले को आसानी से भंडारण व सुरक्षित रूप से रखा जा सकता है। यहाँ तक कि इस कोयले की राख भी इस्तेमाल लाइ जा सकती है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक १५.५.२०२१.....पृष्ठ संख्या.....२.....कॉलम.....१-४.....

पहल हिसार के दो युवाओं ने बनाया फॉर्मर कोल, पर्यावरण प्रदूषण रोकने के साथ-साथ बढ़ाएगा किसानों की आय

गाय के गोबर और पराली से तैयार किया कोयला

जागरण संघाददाता, हिसार: पर्यावरण प्रदूषण को कम करने में पराली और गाय के गोबर दोनों ही मदद कर सकता है। हिसार के दो युवाओं ने फॉर्मर कोल के रूप में इस समस्या का समाधान निकाला है। गोबर व पराली के मिश्रण से तैयार यह कोयला न केवल पारंपरिक कोयले से सस्ता मिलेगा, साथ ही पराली की तुलना में पर्यावरण को प्रदूषित भी नहीं करेगा। इसके साथ साथ किसानों की आमदानी को भी बढ़ाएगा।

इस कोयले को तैयार करने वाले विजय श्योराण कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय बीएससी कंप्यूटर साइंस के विद्यार्थी रहे हैं तो मनोज नहरा हिसार में कृषि विभाग में असिस्टेंट प्रोग्राम अफसर के रूप में तैनात हैं। उन्होंने इस पर शोध कर इसे कम कार्बनडाई ऑक्साइड



मनोज और विजय अपने प्लाट पर फॉर्मर कोल बनाते हुए। ● सौजन्य- मनोज

देने वाला कोयला बनाया है। इसके साथ ही यह पूरी तरह से आर्गेनिक है इसलिए इसकी राख का प्रयोग भी किया जा सकता है।

यहां से आया शोध को लेकर विचार : मनोज ने एचएयू से एशिकल्चर इंजीनियरिंग में बीटेक की पिछे गुरु जंभेश्वर तकनीकी एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से

पर्यावरण इंजीनियरिंग में एमटेक के बाद आइआईटी दिल्ली से आगे की पढ़ाई की। इसके बाद कृषि विभाग में ज्वाइन कर लिया। तभी उनकी मुलाकात विजय श्योराण से हुई। दोनों ने मिलकर शोध करने शुरू किए। फिर धान की पराली गाय के गोबर को अपने मिश्रण में मिलाया। क्योंकि गोबर काफी अच्छे से जलता है।

उच्च उष्णता की है क्षमता

यह कोयला किसानों की आय को दोगुना करने और धान की पराली व गाय के गोबर की भी कीमत बढ़ाएगा। यह कोयला पूर्ण रूप से पर्यावरण हितेशी व प्रदूषण रहित ईंधन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा, जिसकी उच्च उष्णता है।

पर्यावरण विभाग में टेस्टिंग कराई तब जाकर कोयला को हरी झंडी मिली। इस कोयला को एचएयू के अलग-अलग विभागों में टेस्ट कराया गया तब जाकर यह अंतिम रूप में पहुंचा। वह बताते हैं कि अभी इसे बनाने की लागत 5 रुपये प्रति किलोग्राम आ रही है। उनके इस शोध में सुभाष गोयल का पूरा सहयोग रहा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....भैनीक मासिक.....

दिनांक .18.4.2021...पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....4-8.....

वीसी डॉ. बीआर कंबोज के कुशल नेतृत्व में आगे बढ़ेगी एचएयू : यूनियन

हिसार | एचएयू एससी एसटी कर्मचारी यूनियन का प्रतिनिधिमंडल शनिवार को प्रधान राजेश ग्रेवाल के नेतृत्व में एचएयू के नवनियुक्त कुलपति डॉ. बीआर कंबोज से मिला और उन्हें कार्यभार संभालने पर बधाई दी।

प्रतिनिधिमंडल ने विश्वास जताया कि डॉ कंबोज के कुशल नेतृत्व में एचएयू किसानों के

हित व आर्थिक दशा को सुधारने के लिए नई -नई तकनीकों का विकास करेगा। इस मौके पर प्रधान राजेश ग्रेवाल के अलावा श्रवण निरोल, दिनेश मांगल, राजेश झाडिया, वीरेंद्र कुमार, राजेश भारती, रविंद्र इंदौरा, राम स्वरूप, आनंद प्रकाश, केएल नूनिया सहित कार्यकारिणी के अन्य सदस्य मौजूद थे।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

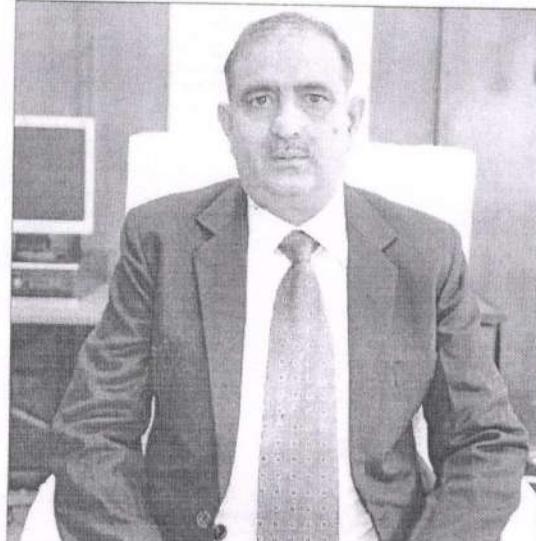
समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैरालेख	17.04.2021	--	--

डॉ. बी.आर. कबोज होंगे हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नए कुलपति

हिसार(एम जैन)। डॉ. बी.आर. कबोज हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के नए कुलपति होंगे। वह फैसला शुक्लवर को विश्वविद्यालय के प्रबन्धन मंडल की बैठक में लिया गया। इससे पहले डॉ. कबोज इसी विश्वविद्यालय के कलमसचिव पद पर कार्यरत थे। डॉ. कबोज इसी विश्वविद्यालय के विद्यार्थी भी रहे हैं और कलमसचिव बनने से पहले वे विश्वविद्यालय के कृषि विभान केंद्र गमननगर में वरिष्ठ सचिवालय के बैठक में वरिष्ठ सचिवालय के कर्तव्यान्वयन के बारे में विद्यार्थी अधिकारी और उनके बहुत से विद्यार्थी एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के जनंत्र में प्रकाशित हुए हैं। यिन्हें जी महाने से महामणि प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल के कुलपति प्रांत मध्य सिंह को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का अधिकारी कार्यभार सौंपा हुआ था। श्री. मध्य सिंह ने पिछले वर्ष 16 जुलाई को कार्यभार संभाला था।

मूल रूप से ग्रामीण अंचल से रखते हैं संबंध

मूल रूप में करनाल जिले के दाहा गांव के रहने वाले डॉ. बलदेव राज कबोज ने प्रारंभिक शिक्षा राजकीय उच्च विद्यालय



संघोहा जिला करनाल से पूरी की। डॉ. कबोज शुरू से ही परिवार के धनी रहे हैं और अपने शैक्षणिक परीक्षाओं में उत्कृष्ट

प्रदर्शन किया। इसके बाद हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार से ही स्नातक, स्नातकोत्तर और पोस्टग्राजुएट को डिग्री

दीर्घिल की। डॉ. कबोज को अंतरराष्ट्रीय प्रोफेसर सोशल एम्बेसेडी-आईआरआरआई-सीएसएसए में हरियाणा की ओर से तीन साल का हब कॉर्डिनेट (सोशल रिसर्च मैनेजर) का अनुबव भी है। इसके अलावा हरियाणा राज्य से संबंध रखने वाले डॉ. कबोज को 26 वर्ष से भी अधिक का अध्यापन, अनुसंधान और विस्तार शिक्षा की गतिविधियों का अनुभव भी है। इसमें 11 साल से भी अधिक विश्वविद्यालय के प्रोफेसर का अनुभव शामिल है। इसके पूरे सेवाकाल में विस्तार शिक्षा की गतिविधियों का अनुभव इनका सबसे ज्यादा है और वे किसानों की आम समस्याओं, उनकी जरूरतों और उनके आर्थिक-समाजिक स्तर से अच्छी तरह से वाकिफ हैं। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के साथ समझौते रूप से अनुसंधान कार्य और विस्तार गतिविधियों के चलते उनके द्वारा की गई योग्यताओं को विश्वविद्यालय की समग्र गिरावटों में शामिल किया गया है। विश्वविद्यालय में कलमसचिव के पद पर रहते हुए भी उन्होंने कई विश्वविद्यालय के हित के लिए काम किए हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जनभाषण	17.04.2021	--	--

डॉ. बीआर कंबोज होंगे हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नए कुलपति

अग्रणी न्यूज़

हिसार। डॉ. बीआर कंबोज हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के नए कुलपति होंगे। यह फैसला शुक्रवार को विधायिकानय के प्रबंधन भवन की कंठेक में लिया गया। इसमें पहले डॉ. कंबोज द्वितीय विश्वविद्यालय के कुलमन्त्रित पद पर कार्यरत थे। डॉ. कंबोज द्वितीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थी भी रहे हैं और कूलमन्त्रित वर्षमें यह विश्वविद्यालय के कृषि विभाग कदम यमुनानगर में लारिय में जोड़ रहे चुके हैं। डॉ. कंबोज एक अतिरिक्तीय स्तर के वैज्ञानिक हैं और उनके बहुत में विभिन्न पेपर अंतरराष्ट्रीय सत्र के जर्नल में प्रकाशित हुए हैं। गिरजने नीं मटीने में भागीड़ा प्रताप

⇒ वर्तमान में इसी विश्वविद्यालय के कुलसचिव पद पर थे कार्यरत, इसी विश्वविद्यालय के रहे हैं विद्यार्थी
⇒ मूल रूप से ग्रामीण अंचल से रखते हैं संबंध



वामपानी विश्वविद्यालय करनाल के कुलपति डॉ. ममत मिह को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का अतिरिक्त कार्यभार मिला था। डॉ. ममत मिह ने विद्यालय के 16 मुनाफे को कार्यभार मिलाना था। मूल रूप में करनाल जिले के दाल माव के राजने वाले डॉ. बलदेव राज कंबोज ने प्रारंभिक शिक्षा राजकीय उच्च विद्यालय में जीता जिला करनाल में पूरी की। डॉ. कंबोज शुरू में ही प्रतिभा के धनी रहे हैं और अपनी शैक्षणिक परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसके बाद हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में ही मानाक, स्नातकोत्तर और पीएचडी की हित्री हासिल की। विश्वविद्यालय में कुलमन्त्रित के पद पर रहते हुए भी उन्होंने कई विश्वविद्यालय के हित के लिए काम किए हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....जम्भू उत्ताला.....

दिनांक .1.9.4.2021...पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....1-2.....



कृषि विशेषज्ञ की सलाह

डॉ. एसके सहरावत

टमाटर की फसल में छह-सात दिनों के अंतर पर करें सिंचाई

Tमाटर की फसल में नाइट्रोजन वाली खाद खड़ी फसल में दो बार दें। पहली पौधरोपण के लगभग 3 सप्ताह बाद व दोबारा पहली मात्रा के एक महीने बाद। हर बार 12.5 किग्रा नाइट्रोजन (27 किग्रा युरिया) प्रति एकड़ की दर से दें। खाद देने के बाद सिंचाई करना न भूलें।

गर्मी के दिनों में 6 से 7 दिनों के अंतर पर सिंचाई करने की आवश्यकता होती है। रस चूसने वाले कीटों को मारने के लिए 400 एमएल मैलाथियान 50 इंसी को 250 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ छिड़कें।

इस छिड़काव से टमाटर के वायरस रोगों की रोकथाम भी हो जाएगी। फल छेदक के लिए एक लीटर निंबीसीडीन को 250 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ छिड़कें। उधर बैंगन की फसल में गर्मी के महीनों में सिंचाई का ध्यान रखें और खरपतवार निकालें। फलों को कच्ची

व नरम अवस्था में तोड़ें और तोड़ते समय यह उचित होगा कि किसी तेज चाकू या ऐसे अन्य औजार का प्रयोग करें, जिससे टहनियां न टूटें। खड़ी फसल में 2 बार में 28 किलोग्राम नाइट्रोजन (14+14) प्रति एकड़ की दर से दें। पहली मात्रा रोपाई के 30 दिन बाद और दूसरी मात्रा 60 दिन बाद लगाएं। वहीं मिर्च की फसल में प्लानोफिक्स या पौध वर्धक रसायन 40 मिली दवा को 150 लीटर पानी में मिलाकर फूल आने के समय छिड़काव करें। इस दवा के प्रयोग से फलफूल गिरने की समस्या काफी हद तक रुक जाती है। थ्रिप्स, अल और सफेद मक्खी से रक्षा करने के लिए 400 मिली मैलाथियान 50 इंसी को 250 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ छिड़कें। छिड़काव 15-20 दिन के बाद दोहराएं। इस छिड़काव से मिर्च के वायरस रोगों की भी रोकथाम हो जाएगी।

डॉ. एसके सहरावत
अनुसंधान निदेशक
एचएयू, हिसार।

(संदीप विश्नोई, हिसार)



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	17.04.2021	--	--

डॉ. बी.आर. कंबोज होंगे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नए कुलपति

टुडे न्यूज़ | हिसार

डॉ. बी.आर. कंबोज चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के नए कुलपति होंगे। यह फैसला शुक्रवार को विश्वविद्यालय के प्रबंधन मंडल की बैठक में लिया गया। इससे पहले डॉ. कंबोज इसी विश्वविद्यालय के कुलसचिव पद पर कार्यरत थे। डॉ. कंबोज इसी विश्वविद्यालय के विद्यार्थी रहे हैं और कुलसचिव बनने से पहले वे विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र यमुनानगर में वरिष्ठ संयोजक रह चुके हैं। वे एक अंतरराष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक हैं और उनके बहुत से रिसर्च पेपर अंतरराष्ट्रीय स्तर के जर्नल में प्रकाशित हुए हैं।

पिछले नौ महीने से महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा हुआ था। प्रोफेसर समर सिंह ने 16 जुलाई को कार्यभार संभाला था। मूल रूप से करनाल जिले के दाहा गांव के रहने वाले डॉ. बलदेव राज कंबोज ने प्रारंभिक शिक्षा राजकीय उच्च विद्यालय संघोंहा जिला



विश्वविद्यालय के नए कुलपति डॉ. बी.आर. कंबोज का फाइल फोटो।

करनाल से पूरी की। डॉ. कंबोज शुरू से ही प्रतिभा के धनी रहे हैं और अपनी शैक्षणिक परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इसके बाद चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार से ही स्नातक, स्नातकोत्तर और पी.एच.डी.की डिग्री हासिल की। डॉ. कंबोज को अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट सीआईएमएमवाइटी-आईआरआरआई-सीएसआईएसए में हरियाणा की ओर से तीन साल का हब कोर्डिनेटर (सीनियर रिसर्च मैनेजर) का अनुभव भी है। इसके अलावा हरियाणा राज्य से संबंध रखने वाले डॉ. कंबोज को 26 वर्ष से भी अधिक का अध्यापन, अनुसंधान और विस्तार

शिक्षा की गतिविधियों का अनुभव भी है। इसमें 11 साल से भी अधिक विश्वविद्यालय के प्रोफेसर का अनुभव शामिल है।

इनके पूरे सेवाकाल में विस्तार शिक्षा की गतिविधियों का अनुभव इनका सबसे ज्यादा है और वे किसानों की आम समस्याओं, उनकी जरूरतों और उनके आर्थिक-सामाजिक स्तर से अच्छी तरह से वाकिफ हैं। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के साथ सामूहिक रूप से अनुसंधान कार्य और विस्तार गतिविधियों के चलते उनके द्वारा की गई सिफारिशों को विश्वविद्यालय की समग्र सिफारिशों में शामिल किया गया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
आज समाज	18.04.2021	--	--

कंबोज बने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति



आज समाज नेटवर्क

हिसार। डॉ. बीआर कंबोज चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के नए कुलपति होंगे। यह फैसला शुक्रवार को विश्वविद्यालय के प्रबंधन मंडल की बैठक में लिया गया। इससे पहले डॉ. कंबोज इसी विश्वविद्यालय के कुलसचिव पद पर कार्यरत थे। डॉ. कंबोज इसी विश्वविद्यालय के विद्यार्थी रहे हैं और कुलसचिव बनने से पहले वे विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र यमुनानगर में वरिष्ठ संयोजक रह चुके हैं।

वे एक अंतरराष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक हैं और उनके बहुत से रिसर्च पेपर अंतरराष्ट्रीय स्तर के जर्नल में प्रकाशित हुए हैं। गौरतलब है कि पिछले नौ महीने से महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा हुआ था। प्रोफेसर समर सिंह ने 16 जुलाई को कार्यभार संभाला था।

बता दें कि मूल रूप से करनाल जिले के दाहा गांव के रहने वाले डॉ. बलदेव राज कंबोज ने प्रारंभिक शिक्षा राजकीय उच्च विद्यालय संघोहा जिला करनाल से पूरी की। डॉ. कंबोज शुरू से ही प्रतिभा के धनी रहे हैं और अपनी शैक्षणिक परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इसके बाद चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार से ही स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडीकी डिग्री हासिल की।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

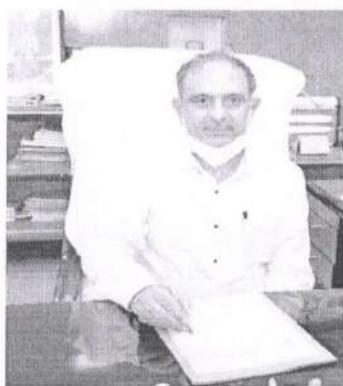
समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
‘हैलो हिसार’	17.04.2021		

डॉ. बी.आर. कंबोज बने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नए कुलपति

हैलो हिसार न्यूज

हिसार: डॉ. बी.आर. कंबोज चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के नए कुलपति बने। यह फैसला शुक्रवार को विश्वविद्यालय के प्रबंधन मंडल की बैठक में लिया गया। इससे पहले डॉ. कंबोज इसी विश्वविद्यालय के कुलसचिव पद पर कार्यरत थे। डॉ. कंबोज इसी विश्वविद्यालय के विद्यार्थी रहे हैं और कुलसचिव बनने से पहले वे विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र यमुनानगर में वरिष्ठ संयोजक रह चुके हैं। वे एक अंतरराष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक हैं और उनके बहुत से रिसर्च पेपर अंतरराष्ट्रीय स्तर के जर्नल में प्रकाशित हुए हैं। उन्होंने शुक्रवार को विश्वविद्यालय में नए कुलपति

का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। मूल रूप से करनाल जिले के दाहा गांव में जन्मे डॉ. बलदेव राज कंबोज ने प्रारंभिक शिक्षा राजकीय उच्च विद्यालय संघोहा जिला



करनाल से पूरी की। इसके बाद चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार से ही स्नातक, स्नातकोत्तर और पी.एच.डी.की डिग्री हासिल की। डॉ. कंबोज शुरू से ही प्रतिभा के

धनी रहे हैं और अपनी शैक्षणिक परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। डॉ. कंबोज को अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट सीआईएमएमवाईटी-आईआरआरआई-सीएसआईएसए में हरियाणा की ओर से तीन साल का हब कोर्डिनेटर (सीनियर रिसर्च मैनेजर) के पद को सफलतापूर्वक निभा चुके हैं। इनके अलावा हरियाणा राज्य से संबंध रखने वाले डॉ. कंबोज को 26 वर्ष से भी अधिक का अध्यापन, अनुसंधान और विस्तार शिक्षा की गतिविधियों का अनुभव भी है। इसमें 11 साल से भी अधिक विश्वविद्यालय के प्रोफेसर का अनुभव शामिल है। इनके पूरे सेवाकाल में विस्तार शिक्षा की गतिविधियों का अनुभव इनका सबसे ज्यादा है।

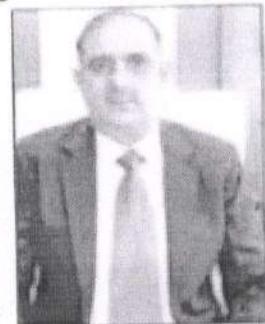


चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
प्रांग इस्तरा १५८८।	18.04.2021	--	--

डॉ. बी.आर. कंबोज होंगे हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नए कुलपति

हिसार, राज पश्चिम (पंजाब के सरो) : डॉ. बी.आर. कंबोज हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के नए कुलपति होंगे। यह फैसला शूक्रवार को विश्वविद्यालय के प्रबंधन मंडल की बैठक में लिया गया। इसमें पहले डॉ. कंबोज इसी विश्वविद्यालय के कुलसचिव पद पर कार्यत थे। डॉ. कंबोज इसी विश्वविद्यालय के विद्यार्थी भी रहे हैं और कुलसचिव बनने से पहले वे विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र यमुनानगर में वरिष्ठ संयोजक रह चुके हैं। डॉ. कंबोज एक अंतरराष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक हैं और उनके बहुत से रिसर्च पेपर अंतरराष्ट्रीय स्तर के जनरल में प्रकाशित हुए हैं। पिछले नौ महीने से महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल के कुलपति प्रो. समर सिंह को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का अतिरिक्त कार्यभार मौंपा हुआ था। प्रो. समर सिंह ने पिछले वर्ष 16 जुलाई को कार्यभार संभाला था।



मूल रूप से ग्रामीण अंचल से रखते हैं संबंध: मूल रूप से करनाल जिले के दाहा गांव के रहने वाले डॉ. बलदेव राज कंबोज ने प्रारंभिक शिक्षा राजकीय उच्च विद्यालय संघोंहा जिला करनाल से पूरी की। डॉ. कंबोज शुरू से ही प्रतिभा के धरी रहे हैं और अपनी शैक्षणिक परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसके बाद हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार से ही स्नातक, स्नातकोन्तर और पीएचडी की डिग्री हासिल की। डॉ. कंबोज को अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट सीआईएमएमवाईटी-आईआरआरआई-सीएसआईएसए में हरियाणा की ओर से तीन साल का हब कॉर्डिनेटर (सीनियर रिसर्च मैनेजर) का अनुभव भी है। इसके अलावा हरियाणा राज्य से संबंध रखने वाले डॉ. कंबोज को 26 वर्ष से भी अधिक का अध्यापन, अनुसंधान और विस्तार शिक्षा की गतिविधियों का अनुभव भी है। इसमें 11 साल से भी अधिक विश्वविद्यालय के प्रोफेसर का अनुभव शामिल है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

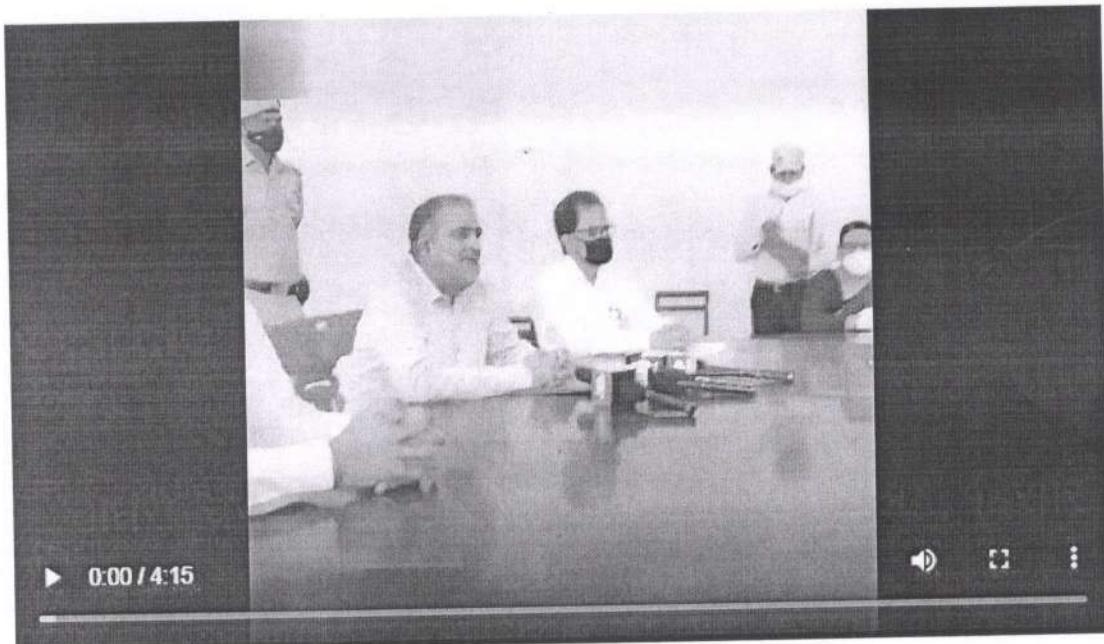
समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सर्कल एप न्यूज पोर्टल	18.04.2021	--	--



Select District ▾ Rajasthan Uttar Pradesh Bihar Madhya Pradesh

कुलपति, विश्वविद्यालय के लिए बताया अपना विज्ञन

17 April 2021 17:04 PM | हिसार



शेयर करें :



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार को प्रगति के पथ पर बढ़ते हुए नई ऊंचाइयों की ओर ले जाना ही मुख्य लक्ष्य होगा। इसके लिए काम को ही प्राथमिकता दी जाएगी। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर बी.आर.कंबोज ने कार्यभार संभालने के बाद प्रेस कांफ्रेंस में मीटिंग से लगकड़ दौते दण करें। इन्होंने कहा कि गढ़ निश्चिदालगा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारती अक्षय प्रदानात् उत्कृष्टता



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जी पंजाब, हरियाणा हिमाचल न्यूज चैनल	18.04.2021	--	--



HAU के नये वीसी प्रोफेसर बीआर कम्बोज से जी मीडिया की खास बातचीत



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
प्रथम तहलका न्यूज चैनल	18.04.2021	--	--

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार को मिले नए कुलपति



विश्वविद्यालय नई कृषि तकनीकों पर काम करेगा- प्रोफेसर बीआर कंबोज



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पब्लिक एप्प चैनल	18.04.2021	--	--

publ〇c

@soniraj.soni3

9.4k views



हिसार: हिसार HAU के नए कुलपति प्रोफेसर बीआर कंबोज ने पत्रकार वार्ता कर विश्वविद्यालय के प्रति अपने विजन पर दिया संदेश



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरियाणा न्यूज एक्सप्रेस	18.04.2021	--	--



हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार कालक्ष्य किसानों की शुद्ध



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
फास्ट मीडिया न्यूज	18.04.2021	--	--

**FAST MEDIA
NEWS**

Fast media news

News & Media Website

[Send Message](#)

[Home](#)

[Groups](#)

[Reviews](#)

[Videos](#)

[More ▾](#)

[Like](#)



Fast media news

April 17 at 5:32 PM · [•](#)

...

विश्वविद्यालय के नई कुंचाइयों पर ले जाना ही है लक्ष्य : प्रोफेसर बी.आर. कंबोज प्रेस से रुबरु हुए एचएय के नवनियुक्त कलपति, विश्वविद्यालय के लिए बताया अपना विजन कहा किसानों की आर्थिक व सामाजिक दृश्य में हो सुधार, साथ ही विद्यार्थियों को भिले अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा

हिसार: 17 अप्रैल

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार को प्रगति के पथ पर बढ़ते हुए नई कुंचाइयों की ओर ले जाना ही मुख्य लक्ष्य होगा। इसके लिए काम को ही प्राथमिकता दी जाएगी। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर बी.आर.कंबोज ने कार्यभार सभालने के बाट प्रेस कॉफ़्रेस में मीडिया से रुबरु होते हुए कहे। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान रखता है। उन्होंने जोर टेकर कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य किसान समुदाय के लिए और अधिक बेहतर कार्य करने का होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से आव्हान किया कि वे किसानों की समस्याओं व जरूरतों और बदलती भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर अनुसधान कार्य करें और बदलते पर्यावरण के अनुसार ज्यादा पैदावार वाली फसलों की किस्में विकसित करें और फसलों की स्स्य कियाओं को संशोधित करें ताकि किसानों को अधिक से अधिक फायदा मिल सके। जिससे किसानों का आर्थिक व सामाजिक स्तर पर उत्थान होगा। उन्होंने कहा कि उनका जल संरक्षण के साथ-साथ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा किसानों की आमदनी को दोगुणा करने के लक्ष्य पर भी जोर रहेगा। उन्होंने कहा कि उनका मकसद शैक्षणिक, अनुसंधान व विस्तार शिक्षा की गतिविधियों को और नज़्बूत बनाना होगा ताकि विद्यार्थियों व किसानों को अधिक से अधिक फायदा हो सके।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
प डाक कसरी	17.04.2021	--	--

कर्मचारी संघ ने दी नवनियुक्त कुलपति को बधाई

हिसार, राज पश्चिम (पंजाब के सरी): हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति/जनजाति कर्मचारी संघ प्रतिनिधिमंडल ने नवनियुक्त कुलपति डा. बी.आर. कंबोज को कार्यभार संभालने पर दी बधाई दी है। इस संबंध में कर्मचारी संघ का प्रतिनिधिमंडल महासचिव राजकुमार गंगवानी की अध्यक्षता में नवनियुक्त कुलपति डा. बी.आर. कंबोज से मिला और उनको पदभार ग्रहण करने पर बधाई दी। संघ प्रतिनिधिमंडल ने डा. कंबोज को विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त करने पर राज्य सरकार का आभार जताया। महासचिव राजकुमार गंगवानी ने बताया कि डा. बीआर कंबोज ने विश्वविद्यालय में कुलसचिव पद पर रहते हुए विश्वविद्यालय के गैर शिक्षक कर्मचारियों के हित में काफी सहानीय फैसले लिए और कर्मचारी हितों के लिए काम किया। प्रतिनिधिमंडल में महासचिव राजकुमार गंगवानी सहित वरिष्ठ उपप्रधान सुरेंद्र गुणा, कार्यालय सचिव ओमप्रकाश, मुख्य सलाहकार सुनील कुमार, सहसचिव दीपक पंवार, गोपीराम व शिवकुमार आदि भी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....जनभूमि.....

दिनांक 19.4.2021.....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम...1-6.....

मिसाल

एचएयू के एविक से ली थी ट्रेनिंग, प्लास्टिक की जगह बायोडिग्रेडल वस्तुएं बना रहे गौरव

जूट की मार्केट से पहले ही साल में एक करोड़ का टर्नओवर

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। एक वर्ष पहले प्लास्टिक के कारण लगातार बढ़ रहे प्रदूषण और इसके उपयोग से हो रहे नुकसानों को लेकर लोग केवल बात कर रहे थे। इधर, करानाल के गांव फरीदपुर के बीटेक पास गौरव के मन में प्लास्टिक की मार्केट के बीच समाधान के रूप में जूट के डत्तारों को उतारने की उपेक्षा चल रही थी। कई महीनों तक लोगों को बात सुनने और देश-विदेश में जूट से बने बैंबू व अन्य सामान को लेकर अध्ययन किया और फिर जूट से बैग बनाने का काम शुरू कर दिया।

काम में अपेक्षा के अनुरूप सफलता नहीं मिली तो साथ दिया चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एप्रीलियन्स एंड इंक्यूरेशन सेंटर (एविक) ने। इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंस्ट्रुमेंटेशन से बीटेक करने वाले गौरव ने इस सेंटर से



जूट से पौट बनाते गौरव।



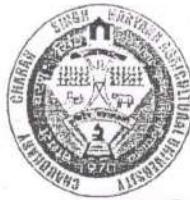
जूट का काम करती महिला। संवाद

■ 29 साल के गौरव 30 लोगों को दे रहे नौकरी : गौरव की उम्र 29 वर्ष है और उनके पास अब 30 लोग काम करते हैं। इनमें से ज्यादातर महिलाएं हैं। वे कहते हैं कि अनेक लोगों में घोर-धीर टीम के साथ मिलकर अपने डिजाइन बनाएंगे और इसके बाद अपना खुद का पोर्टफूल इसे बनाएंगे। इसे वे इंटरनेशनल लेबल पर लांच करेंगे। पिछले एक साल में उन्होंने काफी नए प्रोडक्ट डिजाइन भी किए हैं, जिस कारण अनलाइन ही उनके पास 70 ऑर्डर प्रतिदिन आने लगे हैं।

वह सब कुछ सीखा जो स्टार्टअप से ने गौरव से 13 किलोमीटर दूर पानीपत में जूट से बना सामान देश-विदेश में उनका टर्नओवर एक करोड़ से अधिक पहले सीखना चाहिए। ट्रेनिंग के बाद गौरव अपना काम शुरू किया। अब वे अपना अनलाइन बेचते हैं। पहले ही साल में पहुंच गया।

इजराइल में भी जा रहे उत्पाद गौरव बताते हैं कि जूट को आसानी से आरोड़िग्रेड किया जा सकता और इसका कोई नुकसान नहीं है। आरेख में एक-दो आर्डर आते थे। इसके बाद एविक के एविक से ट्रेनिंग ली। वहाँ कैसे ब्राइड बनाना है, कैसे इवेस्ट करना है, कितना कैश पर्सी हो, कितना स्टॉक हो, टीम कैसे बनेगी, तकनीकी टीम कैसे बनाएं, क्वालिटी कंट्रोल पर कैसे काम करें जैसी बहुत सारी चीजें सीखने की मिलती। इसके बाद उन्होंने अपना काम बढ़ाया और आज अमेजन पर ही वे एक करोड़ से अधिक की विक्री कर चुके हैं। उनके बेहतर काम को देखते हुए एक्सप्राइट्स की डिमांड पर उन्होंने इजराइल में भी आगे उत्पाद भेजे।

■ क्या बनाते हैं : प्लास्टिक के पर्सिज (बैठने के लिए), फ्लावर पौट, कारपेट, टेबल मेट, साईड बास्केट, हैंगर, की स्टैंड, टेबल पैन स्टैंड व होम फॉनीशंग से संबंधित अन्य उत्पाद।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

दीन कृष्ण जानूरा

दिनांक १५.५.२०२१ पृष्ठ संख्या ५ कॉलम ६.८

मौसम के अनुकूल अधिक उपज देने के लक्ष्य के साथ काम करेगा एचएयू

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रो. बीआर कंबोज ने कार्यभार सभालने के बाद शनिवार को अपने विजन को प्रेरण वार्ता में साझा किया।

उन्होंने कहा कि आज का समय में चुनौती भरा है। आबादी दिनों दिन बढ़ रही है और अत्यधिक संसाधनों के दोहन के कारण हमारे पास सीमित संसाधन हैं। ऐसे में अब से विश्वविद्यालय का लक्ष्य होगा कि सीमित संसाधनों का प्रयोग करते हुए उपज बढ़ाने वाली फसलों पर जोर दिया जाए और ऐसी फसलें जो विपरीत मौसम को भी झेलने की शक्ति रखती हों। इस तरह से हम पीप्ल नरेंद्र मोदी का किसानों की आय को दोगुना करने का लक्ष्य भी पूरा करने की तरफ बढ़ेंगे। विज्ञानी

विद्यार्थियों की पढ़ाई कोरोना से नहीं होने देंगे प्रभावित: कुलपति कोरोना के बढ़ते मामलों को लेकर विद्यार्थियों को ऑनलाइन पढ़ाई में आ रही दिक्कतें पर कुलपति ने कहा कि हमारा लक्ष्य यह कि बच्चों का शैक्षणिक सत्र में देरी न हो। इसीलिए ऑनलाइन सिस्टम खड़ा किया। फिर विद्यार्थियों ने कहा कि कम से कम प्रेविटकल ऑफलाइन कराएं। इसीलिए विद्यार्थियों को बुलाया। अभी तक संक्रमण हमारे यहां नहीं पहुंचा है। मगर फिर भी हम स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं जल्द फैसला लेंगे। हमारा लक्ष्य शैक्षणिक, अनुसंधान व विस्तार शिक्षा की गतिविधियों को ओर मजबूत बनाना होगा ताकि विद्यार्थियों व किसानों को अधिक से अधिक फायदा हो सके।

इस दिशा में काम भी कर रहे हैं। विश्वविद्यालय की अंतर्राष्ट्रीय ख्याति को बनाए रखने के लिए शिक्षक व गैर शिक्षकों की बोहतरीन टीम के साथ मिलकर इस लक्ष्य को हासिल किया जाएगा। किसानों को लाभ पहुंचाना हमारा एकमात्र उद्देश्य है जिसे पूरा करना भी हमारे लक्ष्यों में शामिल है।

जीनोम एडिटिंग पर भी कार्यों

काम: कुलपति प्रो. कंबोज ने बताया कि आज के समय में जीनोम एडिटिंग विज्ञान से जुड़े अलग-अलग क्षेत्रों में प्रयोग की जा रही है। हम भी कृषि के क्षेत्र में जीन एडिटिंग पर काम करेंगे ताकि अच्छी किस्मों को विकसित किया जा सके। एचएयू के कई विज्ञानी ऐसे हैं तो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने कार्यों के लिए जाने जाते हैं उनकी टीम बनाकर कार्य करेंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

‘ज्ञान उत्ताता’.....

दिनांक 19.6.2021...पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....7.8.....

आठ एकड़ में बनाया पॉली हाउस, तरबूज के साथ प्याज का स्टोरेज

हर सीजन में 5 से 7 लाख कमा रहे मनोहर

संजय वर्मा



भिवानी। 19 साल पहले बागवानी में घाटा लगा तो बीच में ही बागवानी छोड़ दी, लेकिन हार नहीं मानी। 11 साल पहले फिर से ऑर्गेनिक तरीके से सब्जियाँ उगानी शुरू कीं तो न केवल घाटा दूर हुआ, बल्कि अच्छी आमदनी के साथ बीच में भी नाम हो गया। अब ऑर्गेनिक तरीके से तैयार सब्जियाँ की लोकत मंडी में ही अच्छी खासी डिमांड भी बढ़ी है। हम यहाँ बात कर रहे हैं गोब गोपी के किसान मनोहर श्योराण की।

मनोहर 12वीं तक शिक्षित हैं, मार उसकी कैमिकल मूकत खेती से आसपास के किसान भी काफी प्रभावित हो रहे हैं, क्योंकि सब्जी उत्पादन में वह डीएफी व यूरिया और कोटनाशकों का जरा भी इत्तेमाल नहीं करते, बल्कि खेत में ही जैविक खाद तैयार करने के लिए 200-200 लीटर की दस टंकियाँ भी बनाई। अब आठ एकड़ की बागवानी में ही उसे हर सीजन पांच से सात लाख रुपये का मुनाफा भी हो रहा है।

गोब गोपी के किसान मनोहर श्योराण ने बताया कि उसने करीब आठ एकड़ भूमि में पॉली हाउस व तरबूज के अलावा प्याज का स्टोरेज हाउस बनाया हुआ है। उसने पॉली हाउस में टामाटर, हरी मिर्च, शिमला मिर्च लगा रखी हैं, जबकि एक एकड़ में तरबूज की खेती कर रहे हैं। मनोहर का कहना है कि उसने 2003 में बागवानी का छोटा सा बाग लगाया था, मार उसमें उसे कामयाबी नहीं मिली थी। पानी की कमी और बंजर भूमि में ज्यादा कुछ नहीं हो रहा था। काफी सालों तक बागवानी की तरफ मुड़कर नहीं देखा, लेकिन फिर से बागवानी शुरू करने की ललक जरूर रही, यही बजह थी कि 2010 में फिर से उसने बागवानी शुरू कर दी। इस बार उसने ऑर्गेनिक खेती की ओर बैज्ञानिक तरीके से कदम आगे बढ़ाए।

खेत में तरबूज की ऑर्गेनिक खेती दिखाते किसान मनोहर। संचाद

“बागवानी के प्रति किसानों का रुक्षान लगातार बढ़ रहा है। मार कुछ किसान ऐसे भी हैं, जो ऑर्गेनिक तरीके से फल, सब्जियों का उत्पादन कर रहे हैं, इन किसानों को वैज्ञानिक विधि से बागवानी के गुरु भी बताए जा रहे हैं, उनकी आमदनी में तो इजाफा हो ही रहा है, साथ ही लोगों को भी अपने ही इलाके में जहर मूकत सब्जियाँ व फल रियायती दामों में मिल रहे हैं। कम लागत में अच्छा उत्पादन और खुद के प्रोडक्ट की ब्रांडिंग कर अच्छी पैदा कमा सकते हैं।”

-डॉ. मुरारीलाल, जिला विस्तार विशेषज्ञ बागवानी, कृषि विज्ञान केंद्र भिवानी।

ऐसे तैयार होती है जैविक खाद

मनोहर के खेत में ही 200 लीटर की करीब दस प्लास्टिक की टंकियाँ रखी हुई हैं। इन टंकियों के अंदर ही वह जीवाणु खाद तैयार करते हैं, जिसे डिप सिस्टम के जरिये फसलों में खाद के रूप में इत्तेमाल करते हैं। मिट्टी के मटके के अंदर मदर कल्चर रखता है, जिसके जरिये टंकी में गुड व अन्य सामग्री का घोल तैयार करता है। करीब दो सप्ताह में खाद तैयार हो जाती है।

धीर-धीरे अच्छी पैदावार होने लगी और मुनाफा भी आने लगा। इसके बाद खेती के नए-नए तौर तरीके से ऑर्गेनिक सब्जियाँ उगाने लगे। (संचाद)